शनिवार

20 जून 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 147
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

श्रमिकों के लिए खुला खजाना, धामी ने भेजे 11 करोड़

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कल्याणकारी योजनाओं के 4400 से अधिक श्रमिक लाभार्थियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से लगभग 11 करोड़ रुपये की धनराशि का अंतरण किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के 4400 से अधिक श्रमिक लाभार्थियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से लगभग 11 करोड़ रुपये की धनराशि का अंतरण किया। मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बोर्ड की विवाह उपरांत सहायता, मृत्यु उपरांत अनुदान, प्रसूति सुविधा तथा शिक्षा सहायता योजनाओं के लाभाथियों के खाते में वन क्लिक के माध्यम से यह राशि वितरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग को निर्देश दिए कि श्रमिक कल्याण योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा विभिन्न क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों को योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए।

उन्होंने कहा कि श्रमिकों के कार्यस्थलों के निकट ही आवश्यक सामग्री वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे उन्हें सुविधाजनक तरीके से लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण, उनके आश्रित बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन तथा जीवनोपयोगी सामग्री के वितरण हेतु विशेष शिविरों के आयोजन पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी योजनाओं के संचालन में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने और सूचना प्रौद्योगिकी के अधिकाधिक उपयोग के निर्देश दिए। साथ कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि केवल पात्र श्रमिकों को ही योजना का लाभ मिले। इस अवसर पर जानकारी दी गई कि बोर्ड द्वारा पिछले एक वर्ष में 24,323 श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से कुल 93 करोड़ 6 लाख रुपये की अनुदान राशि वितरित की जा चुकी है।

इस अवसर पर कैलाश पंत (राज्य सलाहकार, संविदा बोर्ड), श्रीमती गीता रावत (अध्यक्ष, सतर्कता समिति), श्रीमती मोहिनी पोखरिया (उपाध्यक्ष, राज्य सतर्कता समिति), अपर सचिव विनीत कुमार, उप श्रम आयुक्त विपिन कुमार, सहायक श्रम आयुक्त शैलेश सती, वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ दुर्गा चमोली उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन श्रम आयुक्त प्रकाश चन्द्र दुम्का द्वारा किया गया।

नीट का री-एग्जाम कल, सुरक्षा के कड़े प्रबंध

❑दून के 16 सेंटरों पर 6 हजार छात्र देंगे परीक्षा
❑रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की व्यवस्था

विशेष संवाददाता

देहरादून। बीते 3 मई को पेपर लीक होने के बाद रद्द हुई नीट की परीक्षा के बाद कल 21 जून को हो रही पुन: परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा में फिर से कोई गड़बड़ी न हो इसके पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पूरे देश से इस परीक्षा में लगभग 23 लाख परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। सूबे की राजधानी दून में नीट परीक्षा के लिए 16 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिसमें लगभग 6 हजार छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे।

जिला अधिकारी दून द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। परीक्षा को शांतिपुर ढंग से संपन्न कराए जाने के लिए पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती की गई है, परीक्षा के लिए चार जोनल मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। परीक्षार्थियों के लिए पेयजल से लेकर आवागमन तक की सभी व्यवस्थाएं की गई है। राज्य में परीक्षा देने वाले छात्रों को परिवहन विभाग की बसों में मुक्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए उन्हें अपना एडमिशन कार्ड दिखाना होगा।

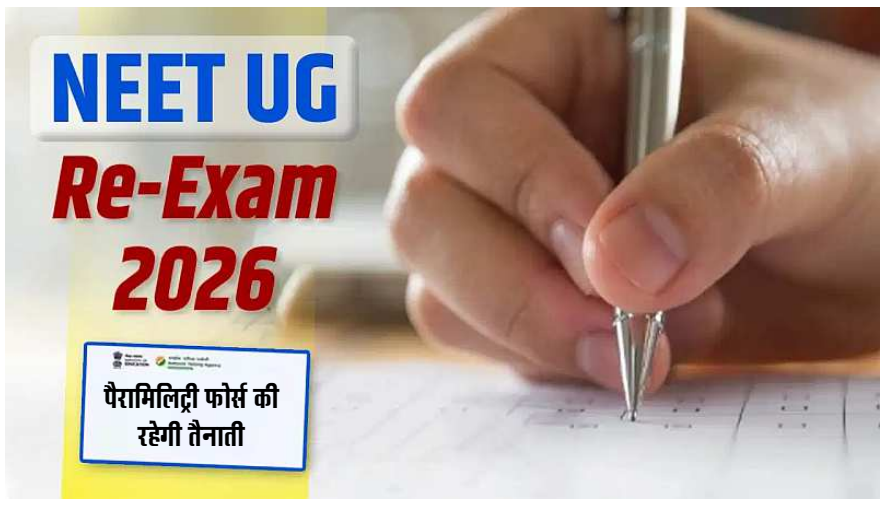

नीट की परीक्षा के लिए होने वाली पेपर लीक की घटनाओं को रोक पाने में नाकाम साबित हो रहे केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफा को लेकर जहां कॉकरोच जनता पार्टी आज दिल्ली में प्रदर्शन कर रही है, वहीं नेता विपक्ष और कांग्रेस ने इसे एक बड़े विरोध का मुद्दा बनाया हुआ है। सरकार के स्तर पर परीक्षा को फुल प्रूफ बनाने के हर संभव प्रयास हो रहे हैं। पेपर वितरण के लिए सेना का प्रयोग और बीते कल इसका मॉक ड्रिल तक कराए गए हैं। लेकिन इस सब के बीच परीक्षा को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं।

वहीं सोशल मीडिया में कुछ ऐसी खबरें भी आ रही है कि दूसरे एग्जाम का भी आधा पर्चा नकल माफिया तक पहुंच गया है जो उसे 35-35 लाख रुपए में बेच रहे हैं। जांच एजेंसिंया अब इसकी जांच में जुटी है अगर इस बार भी कोई गड़बड़ी सामने आती है तो फिर युवाओं के गुस्से से सरकार का बच पाना मुश्किल हो जाएगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

देव संस्कृति बचाने की चुनौती

उत्तराखंड की राजनीति में क्या कुछ हो रहा है? और उसका इस राज्य के सामाजिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ रहा है यह वर्तमान समय में सबसे अधिक चिंतनीय विषय है। आए दिन घटित हो रही घटनाओं पर अगर नजर डालें तो यह राज्य की देवभूमि की संस्कृति के लिए अत्यंत ही खतरनाक स्थिति है। राज्य के गठन के समय से राज्य का स्वरूप कैसा हो? बहस के केंद्र में जरूर रहा है लेकिन सभी सरकारों के कार्यकाल में इसे अपने-अपने नजरिये से गढने के प्रयास किए जाते रहे हैं। किंतु यह राज्य अब अपने अनुरूप विकसित हो रहा है। एनडी तिवारी के कार्यकाल में इस ऊर्जा प्रदेश और डा. निशंक व त्रिवेंद्र रावत के कार्यकाल में धार्मिक पर्यटन प्रदेश बनाने की कवायद के बीच अब तक राज्य सिर्फ पर्यटन प्रदेश की ओर ही बढ़ता रहा है। पर्यटन प्रदेश की इस विकास यात्रा में वह सभी आयाम जो पर्यटन राज्य में स्वाभाविक रूप से निहित हो जाते हैं, हो रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा के शासन के बीते एक-एक दशक में राज्य की राजनीति पर धार्मिक उन्माद का रंग भी खूब चढ़ता दिखा है। हर एक घटना को हिंदू मुस्लिम के चश्मे से देखा जाना अब नया नहीं रहा है। बात चाहे थूक जिहाद और लव जिहाद जैसे शब्दों के उत्सर्जन तक सीमित नहीं है राज्य के डेमोग्राफी चेंज की बात को रखकर कालनेमियों और धार्मिक प्रतीकों के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियानों से राज्य के समाज में अलगाववाद को पोषित होने का भी भरपूर मौका दिया है। अभी बीते सालों में पहाड़ में तमाम स्थानों व धार्मिक स्थलों और दूसरे समुदाय के लोगों को गांव में न घुसने देने को लेकर तथा उनके व्यवसायों को समेटने को लेकर कई स्थानों पर तनावपूर्ण स्थितियों देखी गई। अभी सहसपुर क्षेत्र में एक मामूली विवाद में एक हिंदू युवक की हत्या मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा किए जाने से लेकर बीते 4 दिन पूर्व ही भारी तनाव की स्थिति देखी गई। बीते कल राजधानी के लख्खी बाग क्षेत्र में एक किशोरी के साथ घटित हुई रेप की घटना को लेकर दोनों समुदाय के लोग आमने-सामने आ गए। पुलिस प्रशासन ने आरोपी नाबालिक को गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है लेकिन हिंदू संगठनों का आक्रोश अभी भी चरम पर है। एक नहीं तमाम मामले आए दिन विवाद का कारण बन रहे हैं। कब कौन सा मामला उग्र रूप ले ले इसकी संभावनाएं हर समय बनी रहती हैं। अपराध भले ही अपराध ही होता है वह चाहे किसी भी जाति या धर्म या समुदाय के लोगों द्वारा किया जाए लेकिन जिस तरह का माहौल प्रदेश में बन चुका है वहां अब हर एक अपराध को सांप्रदायिकता के चश्मे से ही देखा जाने लगा है। जो सूबे की कानून व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। राज्य में आने वाले पर्यटकों के साथ छोटी-छोटी मामूली बातों को लेकर मारपीट तथा हिंसा की घटनाएं तो अब आम बात हो चुकी है कर्णप्रयाग में घटित हुई तलवारबाजी तथा बीते कल ऋषिकेश में हरियाणा की कुछ लड़कियों द्वारा जब कार में तेज ध्वनि में गाने बजाने और अर्द्धनग्न अवस्था में घूमने से रोकने का प्रयास किया गया तो उनकी पुलिस के साथ ही भिड़ंत हो गई। जो मारपीट और हाथापाई तक जा पहुंची पुलिस इन्हें लेकर चौकी पहुंच गई। एक नहीं इस तरह की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पर्यटन की आड़ में नशा और सेक्स का धंधा पनपना भी स्वाभाविक है इसके प्रभाव से देवभूमि की संस्कृति को नहीं बचाया जा सकता है अभी पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत ने इस पर चिंता जताते हुए कहा था कि देवभूमि अब देवभूमि नहीं रह गई है। राज्य में बढ़ता अलगाववाद, नशावर्ती व सेक्स अपराधों की चर्चा करते हुए उन्होंने सरकार और जनता दोनों को इस हालात के लिए जिम्मेदार ठहराया था। चुनावी दौर में ऐसी घटनाओं का बढ़ना और उन्हें तूल दिए जाने की संभावनाएं और भी बढ़ जाती हैं लेकिन इसे रोकने के कोई प्रभावी उपाय नहीं किये जा रहे हैं जो चिंतनीय है।

धामी का 'जीरो टालरेंस' एक्शन या चुनावी साल का 'मास्टरस्ट्रोक'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 से पहले हरिद्वार नगर निगम के भूमि प्रकरण में धामी सरकार की सख्त कार्रवाई ने राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। जांच में जिन अधिकारियों की भूमिका सामने आने के बाद सरकार ने कार्रवाई की, उसे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जीरो टालरेंस नीति का बड़ा उदाहरण बताया जा रहा है। वहीं विपक्ष इसे स्वागत योग्य कदम तो मान रहा है, लेकिन यह सवाल भी उठा रहा है कि क्या यह सख्ती हर मामले में समान रूप से लागू होगी या फिर चुनावी साल में सरकार अपनी छवि चमकाने की कोशिश कर रही है। यह प्रकरण अब केवल हरिद्वार नगर निगम तक सीमित नहीं रह गया है। यह पूरे प्रदेश की नौकरशाही, राजनीतिक व्यवस्था और चुनावी माहौल का बड़ा विषय बन गया है। सत्ता, विपक्ष और आम जनताकृतीनों की नजर इस बात पर है कि सरकार इस कार्रवाई को आखिर किस मुकाम तक ले जाती है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार सार्वजनिक मंचों से कहते रहे हैं कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करेगी। सरकार का दावा है कि पिछले कुछ वर्षों में नकल माफिया के खिलाफ कठोर कानून, भर्ती घोटालों में कार्रवाई, अवैध

●भूमि प्रकरण में धामी सरकार की कार्रवाई के बाद भ्रष्टाचार पर सियासत
●चुनावी साल में प्रशासनिक सख्ती बन गई राजनीतिक विमर्श का केंद्र
●धामी सरकार का अफसरशाही को कड़ा संदेश, विपक्ष उठा रहा सवाल

कब्जों पर अभियान और अब हरिद्वार नगर निगम प्रकरण में त्वरित निर्णय इस बात के प्रमाण हैं कि शासन की प्राथमिकता पारदर्शिता और जवाबदेही है। सरकार के अनुसार यदि जांच में किसी अधिकारी की भूमिका सामने आती है तो उसके पद या प्रभाव की परवाह किए बिना कार्रवाई होगी।

भाजपा का मानना है कि इससे जनता में यह भरोसा मजबूत होगा कि कानून सबके लिए समान है और प्रशासनिक तंत्र में जवाबदेही तय की जा रही है। भाजपा नेताओं का तर्क है कि पहले भ्रष्टाचार के मामलों में वर्षों तक फाइलें दबाकर रखी जाती थीं, जबकि वर्तमान सरकार ने कार्रवाई की गति तेज की है। पार्टी इसे निर्णायक नेतृत्व की पहचान के रूप में भी पेश कर रही है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और उत्तराखंड क्रांति दल इस कार्रवाई का खुलकर विरोध नहीं कर रहे, लेकिन सरकार की मंशा पर सवाल जरूर उठा रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि यदि सरकार वास्तव में जीरो टालरेंस की नीति पर चल रही है तो प्रदेश में सामने आए हर भ्रष्टाचार के मामले में समान स्तर की कार्रवाई होनी चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि कई मामलों में कार्रवाई की गति धीमी रही, जबकि कुछ मामलों में तत्काल सख्ती दिखाई गई। आम आदमी पार्टी का कहना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का स्वागत है, लेकिन इसे केवल चुनावी संदेश तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दोषियों को न्यायालय में सजा दिलाना ही वास्तविक सफलता होगी। यूकेडी का कहना है कि यदि सरकार ईमानदारी से पूरे प्रशासनिक ढांचे की जवाबदेही तय करती है तो जनता उसका समर्थन करेगी, लेकिन कार्रवाई केवल चुनिंदा मामलों तक सीमित रही तो जनता इसे राजनीतिक प्रबंधन के रूप में देखेगी।

प्रशासनिक विशेषज्ञों का मानना है कि हरिद्वार नगर निगम प्रकरण ने पूरे सरकारी तंत्र को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि अब फाइलों में लिए गए निर्णयों की जवाबदेही तय हो सकती है। लंबे समय से यह धारणा रही है कि कुछ अधिकारी नियमों की अलग-अलग व्याख्या कर विवादास्पद फैसले लेते हैं।

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

युवाओं का 'गुस्सा' बनाम सरकार की 'साख'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 से पहले राज्य में एक बार फिर पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं का मुद्दा राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। कांग्रेस ने इसे सरकार की सबसे बड़ी प्रशासनिक विफलता बताते हुए प्रदेशभर में आंदोलन की रणनीति तैयार कर ली है। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी और उत्तराखंड क्रांति दल भी बेरोजगार युवाओं के साथ खड़े होकर सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। माना जा रहा है कि आगामी चुनाव में रोजगार और भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बन सकती है।

उत्तराखंड में पिछले कुछ वर्षों के दौरान विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों ने लाखों युवाओं के भविष्य पर सवाल खड़े किए। स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा, सचिवालय सुरक्षा, वन दरोगा सहित कई परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोपों ने प्रदेश की राजनीति को झकझोर दिया था। हजारों अभ्यर्थियों ने सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया और सरकार को कई परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं।

इसी मुद्दे को कांग्रेस अब चुनावी हथियार बना रही है। प्रदेश कांग्रेस का कहना है कि सरकार युवाओं को रोजगार देने में असफल रही और जो भर्तियां निकाली गईं, उनमें भी भ्रष्टाचार और पेपर लीक ने युवाओं का विश्वास तोड़ दिया। कांग्रेस प्रदेशभर में युवा न्याय अभियान चलाने की तैयारी कर रही है,

❑बेरोजगारों के मुद्दे पर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में
❑भाजपा के लिए चुनाव से पहले युवाओं के भरोसे की 'जंग'
❑कांग्रेस ने खोला मोर्चा, आप और यूकेडी भी हुई आक्रामक

जिसमें बेरोजगार युवाओं के साथ संवाद और जनसभाएं आयोजित की जाएंगी।

आम आदमी पार्टी भी इस मुद्दे पर लगातार सरकार को घेर रही है। पार्टी का आरोप है कि भाजपा सरकार ने युवाओं को रोजगार के नाम पर केवल आश्वासन दिए। आप का कहना है कि यदि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और जवाबदेह होती तो पेपर लीक जैसे मामले सामने नहीं आते। पार्टी युवाओं के बीच रोजगार गारंटी और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था को प्रमुख चुनावी वादा बनाने की तैयारी में है।

उत्तराखंड क्रांति दल ने भी इस मुद्दे को राज्य के युवाओं के सम्मान से जोड़ दिया है। यूकेडी का कहना है कि प्रदेश बनने का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार देना था, लेकिन आज वही युवा भर्ती घोटालों और बेरोजगारी से सबसे अधिक प्रभावित हैं। पार्टी इसे राज्य की अस्मिता और युवाओं के भविष्य का सवाल बताकर गांव-गांव तक ले जाने की रणनीति बना रही है।

भाजपा सरकार का कहना है कि पेपर लीक मामलों में पहली बार सख्त कार्रवाई की गई। आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, परीक्षाएं निरस्त की गईं और दोषियों के खिलाफ कठोर कानून लागू किया गया। सरकार यह भी दावा कर रही है कि नई भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाई गई है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तकनीकी निगरानी मजबूत की गई है। भाजपा चुनावी मंचों पर यह संदेश देने की तैयारी में है कि पिछली घटनाओं पर कार्रवाई करके सरकार ने युवाओं का भरोसा बहाल करने का प्रयास किया है।

उत्तराखंड में लगभग 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या चुनावी समीकरणों में निर्णायक मानी जाती है। बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाएं और सरकारी नौकरियां हमेशा से इस वर्ग के प्रमुख मुद्दे रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि विपक्ष इस मुद्दे को लगातार जीवित रखता है तो यह चुनावी माहौल को प्रभावित कर सकता है।

दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस, आप और यूकेडी तीनों अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद पेपर लीक और बेरोजगारी के मुद्दे पर लगभग एक ही सुर में सरकार को घेर रहे हैं। हालांकि तीनों दलों की चुनावी रणनीति अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही हैकृयुवा मतदाताओं का विश्वास जीतना।

कांग्रेस 28 से चलायेगी परिवर्तन संकल्प यात्रा: प्रीतम

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार वादों के विपरित कार्य कर रही है जिसके लिए कांग्रेस 28 जून से परिवर्तन संकल्प यात्रा का आयोजन करने जा रही है।

आज यहां प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्रीतम सिंह ने कहा कि 28 जून से कांग्रेस परिवर्तन संकल्प यात्रा का आयोजन करने जा रही है जोकि सभी विधानसभाओं में जायेगी जिसके लिए चार जोन बनाये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पेपर लीक व महिलाओं का शोषण जिसमें सरकार के पदाधिकारी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यात्रा का नेतृत्व गणेश गोदियाल करेंगे तथा हरक सिंह रावत रूद्रप्रयाग, पौडी, चमोनी में स्थानीय विधायकों के साथ काम करेंगे तथा उत्तरकाशी, टिहरी में मोहन कापडी, विक्रम सिंह नेगी हर विधानसभा में दस्तक देंगे और जनता को जागरूक करेंगे। इस दौरान जनता के सामने सरकार की विफलताओं को उजागर करेंगे। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में हरिद्वार देहरादून में चलाया जायेगा। उन्होंने बताया कि आम जन सरकार की कार्यप्रणाली से दुखी है और वह बदलाव चाहती है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान हर विधानसभा में भरपूर समय दिया जायेगा और जनता को जागरूक किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार हावी है और भ्रष्टाचारियों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। हरिद्वार भूमि घोटाले पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बडी मच्छली को सामने नहीं आने दिया जा रहा है जिसको उजागर किया जाना चाहिए। सरकार उसको बचाने में लगी है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से वृद्ध सिलगाड नदी में गिरे, घायल

कोटद्वार(आरएनएस)। दुगड्डा-लैंसडौन मार्ग पर फतेहपुर के समीप एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से 72 वर्षीय वृद्ध सड़क से नीचे सिलगाड नदी में जा गिरे। हादसे में वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर उन्हें नदी से बाहर निकाला और उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दुगड्डा पहुंचाया। घटना के बाद फरार हुए कार चालक को पुलिस ने कोटद्वार के सिद्धबली बैरियर पर पकड़ लिया। साथ ही उसकी कार को भी सीज कर दिया गया है।दुगड्डा चौकी प्रभारी एसआई केडी शर्मा ने बताया कि जयहरीखाल ब्लॉक के गुनी बस्यूर गांव निवासी सुमेद चंद्र किसी कार्य से दुगड्डा बाजार आए थे। दोपहर करीब 2:30 बजे बाजार से घर लौटते समय फतेहपुर के पास एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुमेद चंद्र सड़क से नीचे सिलगाड नदी में जा गिरे। दुर्घटना में उनके कंधे पर गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही दुगड्डा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर घायल वृद्ध को नदी से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दुगड्डा में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस के अनुसार वाहन चालक की तलाश के लिए तत्काल नाकाबंदी की गई। आरोपी चालक को कोटद्वार स्थित सिद्धबली बैरियर पर पकड़ लिया गया। पुलिस ने उसकी कार को सीज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

यमुनोत्री हाईवे पर कल्याणी में भूस्खलन जोन हुआ सक्रिय

उत्तरकाशी(आरएनएस)। धरासू-फूलचट्टी यमुनोत्री हाईवे पर कल्याणी में सक्रीय भूस्खलन जोन पर अभी तक राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की ओर से सुरक्षात्मक कार्य न करने से वह आगामी बरसात में आवाजाही में परेशानी खड़ी करेगा। गत वर्ष भी कल्याणी के समीप कई बार मलबा आने के कारण चारधाम यात्रियों और स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। साथ ही इन दिनों भी बारिश में मिट्टी सड़क पर बहने के कारण आवाजाही में परेशानी हो रही है।धरासू-फूलचट्टी-यमुनोत्री हाईवे के चौड़ीकरण के दौरान कल्याणी के समीप भूस्खलन जोन सक्रीय हो गया था। यह धरासू से सिलक्यारा के बीच में सबसे बड़ा भूस्खलन जोन है। लेकिन एनएच विभाग की ओर से इसके सुधारीकरण के लिए अभी तक कोई कार्य नहीं किए गए हैं। यह बीते कई वर्षों से आवाजाही में बाधा बनता है। साथ ही इस वर्ष भी बरसात से पूर्व यहां पर किसी प्रकार के सुरक्षात्मक कार्य नहीं किए गए हैं। इसलिए यह आगामी मानसून सीजन में बड़ी मुसीबत बनेगा।इसके साथ ही इन दिनों जनपद में हो रही बरसात के दौरान वहां पर मलबा और बोल्डर गिरने का खतरा बना हुआ है। बारिश के दौरान मलबे की पूरी मिट्टी हाईवे पर बहने के कारण आवाजाही में खतरा बना हुआ है। साथ ही सड़क पर पसरे मलबे के कारण वहां पर संकरा क्षेत्र होने के कारण भी वाहन दुघर्टना का खतरा बना रहता है। गत वर्ष भी मानसून सीजन में कल्याणी में बार-बार मार्ग बंद होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

इमरजेंसी वार्ड का शौचालय दो माह से बंद, मरीज-तीमारदार परेशान

कोटद्वार(आरएनएस)। बेस अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड का शौचालय पिछले दो माह से बंद पड़ा है। मरम्मत कार्य शुरू होने के बावजूद अब तक पूरा नहीं हो पाया है, जिससे मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि शौचालय के दरवाजे को रस्सी से बांधकर बंद रखा गया है। इमरजेंसी वार्ड के शौचालय में करीब दो माह पहले मरम्मत कार्य शुरू किया गया था, लेकिन ठेकेदार की लापरवाही के चलते काम अधूरा पड़ा हुआ है। शौचालय बंद होने के कारण मरीजों और तीमारदारों को वार्ड से दूर स्थित अन्य शौचालयों का उपयोग करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी गंभीर मरीजों और उनके परिजनों को हो रही है। तीमारदारों का कहना है कि कमजोर और गंभीर मरीजों को दूसरे शौचालय तक ले जाना मुश्किल हो रहा है। इससे मरीजों को असुविधा के साथ-साथ अतिरिक्त परेशानी भी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से जल्द से जल्द शौचालय की मरम्मत पूरी कराने की मांग की है। अस्पताल आने वाले लोगों का कहना है कि इमरजेंसी वार्ड जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर मूलभूत सुविधाओं का लंबे समय तक बाधित रहना चिंता का विषय है। ऐसे में प्रशासन को इस दिशा में तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

'घराट' - पानी की शक्ति से चलने वाली पारंपरिक आटा चक्की थी पहाड़ की विरासत

थम गए घराट के 'पाट' अब बची हैं सिर्फ 'यादें'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ों में बहती छोटी-छोटी नदियों और गधेरों के किनारे कभी एक ऐसी विरासत जीवंत हुआ करती थी, जिसकी घर्र-घर्र की आवाज पूरे गांव के जीवन की लय बन जाती थी। यह विरासत थी 'घराट' कृपानी की शक्ति से चलने वाली पारंपरिक आटा चक्की। आज भले ही घराटों के पाट थम चुके हों, लेकिन पहाड़ की स्मृतियों में उनकी आवाज आज भी उतनी ही जीवित है। एक समय था जब गांव का हर परिवार अपने खेतों में उगे गेहूं, मंडुवा, झंगोरा, मक्का और जौं की बोरियां पीठ पर लादकर कई किलोमीटर पैदल चलकर घराट तक पहुंचता था। वहां आटा पिसवाने की कोई जल्दबाजी नहीं होती थी। क्योंकि घराट केवल अनाज पीसने की जगह नहीं था, बल्कि वह गांव का सबसे बड़ा सामाजिक केंद्र था।

घराट के आसपास हर समय लोगों की चहल-पहल रहती थी। कोई अपनी बारी का इंतजार करता, कोई खेती-किसानी की चर्चा करता, तो कोई दूर शहर या फौज में नौकरी कर रहे बेटे का हाल सुनाता। महिलाएं लोकगीत गातीं, बच्चे गधेरे के किनारे खेलते और बुजुर्ग पुराने किस्सों से नई पीढ़ी को गांव का इतिहास सुनाते। कई बार घराट ही वह जगह बन जाता, जहां रिश्ते तय होते, गांव की समस्याओं पर चर्चा होती और सामूहिक फैसले लिए जाते। आज की भाषा में कहें तो घराट गांव की चौपाल, पंचायत और संवाद केंद्रकृतीनों का संगम था।

घराट पहाड़ के लोगों की प्रकृति के साथ तालमेल की अद्भुत मिसाल था। इसमें न बिजली की जरूरत पड़ती थी और न ही डीजल की। गधेरे का बहता पानी लकड़ी के पंखों को घुमाता और वही शक्ति पत्थर के भारी पाट को चलाती थी। धीरे-धीरे पिसा हुआ आटा स्वाद, पौष्टिकता और खुशबू में अलग पहचान रखता था। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा की बात कर रही है, तब यह याद करना जरूरी है कि उत्तराखंड के गांव सदियों पहले ही जल ऊर्जा का ऐसा उपयोग कर रहे थे, जो पूरी तरह प्रकृति के अनुकूल था।

रूद्रप्रयाग जिले के दानकोट निवासी देवी प्रसाद गौड बताते हैं कि घराट में पिसे मंडुवे की रोटी, झंगोरे का आटा या गेहूं का स्वाद कुछ अलग ही होता था। आटा गर्म नहीं होता था, इसलिए उसमें अनाज की प्राकृतिक खुशबू और पोषण बना रहता था। यही कारण था कि घराट का आटा केवल भोजन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का भी आधार माना जाता था।

❑गधेरों के किनारे घराट कभी थे गांव की अर्थव्यवस्था, संस्कृति और सामाजिक जीवन का केंद्र

❑पलायन, आधुनिक चक्कियों और बदलती जीवनशैली ने धरोहर को इतिहास के पन्नों तक समेटा

❑कभी पहाड़ में गांवों के घराट के आसपास हर समय रहती थी लोगों की खूब चहल-पहल

समय बदला, गांवों से पलायन बढ़ा और बिजली से चलने वाली चक्कियां गांव-गांव तक पहुंच गईं। इसके साथ ही घराटों की रौनक भी खत्म होने लगी। जिन रास्तों पर कभी अनाज की बोरियां लेकर लोग चलते थे, वहां अब झाड़ियां उग आई हैं। कई घराट ढह चुके हैं, कुछ मलबे में बदल गए हैं और कुछ केवल नाम भर रह गए हैं। पहाड़ के खाली होते गांवों के साथ घराट भी वीरान हो गए। पानी अब भी बहता है, लेकिन उसे घुमाने वाले पाट और वहां जुटने वाला समाज बिखर चुका है।

इतिहासकार डा. भगवती प्रसाद पुरोहित मानते हैं कि घराट केवल तकनीकी संरचना नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान हैं। यह उस दौर की याद दिलाते हैं, जब गांव आत्मनिर्भर थे और स्थानीय संसाधनों के सहारे अपना जीवन चलाते थे। यदि इन घराटों का संरक्षण किया जाए, तो इन्हें ग्रामीण पर्यटन, पारंपरिक खाद्य उत्पादों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ा जा सकता है। कई देशों में ऐसी पारंपरिक जलचक्कियां आज भी पर्यटन का बड़ा आकर्षण हैं। उत्तराखंड भी इस दिशा में पहल कर अपनी विरासत को नई पहचान दे सकता है।

आज भी बरसात के दिनों में जब किसी पुराने घराट के पास से बहता पानी तेज होता है, तो लगता है मानो पत्थरों के बीच कहीं वह पुरानी घर्र-घर्र की आवाज अब भी छिपी हुई है। वह आवाज केवल चक्की के घूमने की नहीं थी, बल्कि आत्मनिर्भर पहाड़, सामूहिक जीवन, आपसी प्रेम और प्रकृति के साथ संतुलन की थी। आज जरूरत केवल घराटों को बचाने की नहीं, बल्कि उस संस्कृति को बचाने की है जिसने पहाड़ को सदियों तक जीवंत बनाए रखा। क्योंकि जब घराट बंद हुए, तब केवल चक्कियां नहीं रुकींकृपहाड़ की एक पूरी जीवनशैली धीरे-धीरे खामोश हो गई। हालांकि प्रदेश में आज कुछ संस्थाएं इस दिशा में काम कर रही है, लेकिन वह भी सिर्फ सरकार बजट की आस में इससे जुडेघ है। बजट खत्म तो उनकी जिम्मेदारी भी खत्म।

सरकार किसानों की समस्याओं को दूर नहीं करना चाहती: टिकैत

हरिद्वार(आरएनएस)। एमएसपी की कानूनी गारंटी, गन्ना भुगतान, मुफ्त बिजली और स्मार्ट मीटर व्यवस्था खत्म करने समेत कई मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया। नेताओं ने चेतावनी दी कि किसानों के हितों से समझौता हुआ तो देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का चार दिवसीय महाकुंभ और राष्ट्रीय चिंतन शिविर का समापन प्रशासन को ज्ञापन देने के बाद समाप्त हो गया। किसानों से संबंधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता को सौंपा गया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने किसानों को अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया।

समापन अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं को दूर नहीं करना चाहती है। पूरे देश का किसान आर्थिक बोझ के नीचे दबा परेशान है। देश की कृषि व्यवस्था वर्तमान समय में गंभीर संकट से गुजर रही है। भारत अमेरिका व्यापार समझौता देश के किसानो के लिए खतरा है। एमएसपी पर कानूनी गारंटी एवं सरकारी खरीद कानून बनाया जाए।

गन्ना भुगतान लंबित है जिसके कारण किसानों को परेशानी हो रही है। बार बार कहने के बाद भी सरकार और चीनी मिल भुगतान नहीं कर रही। राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि 22 जून को अमेरिका से समझौते में किसानों को अनदेखा किया गया तो पूरे देश में आंदोलन होगा। स्मार्ट मीटर व्यवस्था वापस ली जाए। किसानी, मजदूरों एवं ग्रामीण गरीबों के पुनर्वास के बिना भूमि अधिग्रहण बेदखली बुलडोजर कार्यवाही पर रोक लगे। किसानों के पारंपरिक बीज अधिकारों एवं बीज स्वायत्तता की रक्षा हो। प्राकृतिक आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित कर किसानों, मजदूरों को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। इसके साथ ही गन्ने का न्यूनतम मूल्य 500 रुपये कुंतज घोषित किया जाए। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजबीर जादोन, कुशलपाल आर्य, बलराम नंबरदार, पवन खटाना, गढ़वाल मंडल अध्यक्ष संजय चौधरी, जिलाध्यक्ष विजय कुमार शास्त्री, सूबा सिंह ढिल्लों, बबली सिंह, रूपाली पाटिल, कविता चौधरी, प्रेम सिंह सोहता, युद्धवीर सिंह, मेनपाल सिंह, युवा मंडल अध्यक्ष पंकज चौधरी, नवीन राठी, आकाश सचदेवा, बाबा पंडत, चमन प्रकाश, गुरमेल सिंह बाजवा, हविंदर सिंह आदि सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

आईशैडो लगाना सीखना चाहती हैं? इन 5 टिप्स के जरिए कर पाएंगी आंखों का सुंदर मेकअप

आंखों की सुंदरता बढ़ाने के लिए आईशैडो लगाना बढ़िया निर्णय होता है। हालांकि, इसे सही तरीके से लगाना थोड़ा मुश्किल लग सकता है, खासकर अगर आप शुरुआत कर रही हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी मेकअप टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप बिना किसी परेशानी के आईशैडो लगा सकें। इन सुझावों को अपनाकर आप अपने लुक को और भी खास बना सकती हैं और शानदार आई मेकअप कर सकती हैं।

सही आईशैडो ब्रश का चयन करें

आईशैडो लगाते समय सही ब्रश का चयन बहुत जरूरी है। छोटे और बड़े, दोनों ब्रश का उपयोग करें। छोटे ब्रश से आप अपनी पलकों के निचले हिस्से पर आईशैडो लगा सकती हैं, जबकि बड़े ब्रश से आप पूरे पलक क्षेत्र को ढक सकती हैं। इसके अलावा ब्रश की गुणवत्ता पर भी ध्यान दें। कृत्रिम ब्रश अक्सर बेहतर होते हैं, क्योंकि वे आसानी से साफ किए जा सकते हैं और लंबे समय तक चलते हैं।

प्राइमर का उपयोग करें

आईशैडो लगाने से पहले आंखों पर प्राइमर लगाना बहुत जरूरी है। प्राइमर आपकी त्वचा पर आईशैडो को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करता है और रंगों को अधिक जीवंत बनाता है। इसके अलावा यह आपकी आंखों को चिकना होने से भी रोकता है। अगर आपके पास आईशैडो प्राइमर नहीं है तो थोड़ा-सा कंसीलर भी काम कर सकता है। यह कदम आपके आई मेकअप को बेहतरीन बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

सही रंग चुनें

आईशैडो चुनते समय अपनी त्वचा के रंग का ध्यान रखें। गर्म टोन वाली महिलाओं पर भूरे, सुनहरे या नारंगी शेड अच्छे लगते हैं। वहीं, ठंडे टोन वाली महिलाओं को चांदी, गुलाबी या नीले शेड सूट करते हैं। इसके अलावा अगर आप दिन के समय मेकअप कर रही हैं तो हल्के रंग या पेस्टल शेड चुनें और रात के समय के लिए गहरे रंगों का चुनाव करें। यह आपके लुक को और भी खास बनाएगा।

ब्लेंडिंग पर ध्यान दें

आईशैडो लगाते समय ब्लेंडिंग बहुत जरूरी होती है। अगर आप चाहती हैं कि आपका आई मेकअप प्राकृतिक लगे तो इसे अच्छी तरह मिलाएं। इसके लिए गोलाकार गति में ब्रश चलाएं, ताकि सभी शेड एक-दूसरे में मिल जाएं और कोई कठोर रेखा न बचे। सही तरीके से ब्लेंडिंग करने से आपका आई मेकअप पेशेवर जैसा दिखेगा और लंबे समय तक टिकेगा। इससे आपकी आंखें और भी खूबसूरत लगेंगी और आपका लुक खास बनेगा।

गलतियों से न घबराएं

अगर पहली बार में आपका आई मेकअप सही नहीं हो पाया तो घबराएं नहीं। हर किसी को सीखने में थोड़ा समय लगता है। आप अपनी गलतियों से सीखकर अगली बार बेहतर कर सकेंगी। आईशैडो लगाने का अभ्यास करते रहें और धीरे-धीरे आप इसमें माहिर हो जाएंगी। इन सरल सुझावों को अपनाकर आप आसानी से आईशैडो लगा सकती हैं और हर मौके पर सबसे खास और अलग मेकअप लुक अपना सकती हैं।

पंखे को साफ करें बिना स्टूल के, जानें यह खास तरीका क्या है?

अक्सर पंखे की सफाई करने के लिए हमें स्टूल या सीढ़ी का इस्तेमाल करना पड़ता है, जो कि कभी-कभी खतरनाक भी होता है। लेकिन अगर आपको ऐसा तरीका मालूम हो जो सेफ भी हो और आपके पंखे को आसानी से साफ भी कर दे, तो कितना अच्छा होगा। आज हम आपको बताएंगे खास तरीके जिससे आप बिना स्टूल या सीढ़ी के अपने पंखे को साफ कर सकते हैं। यह तरीका न सिर्फ सेफ है, बल्कि इससे आपका समय भी बचेगा और पंखे अच्छे से साफ हो जाएगा। आइए जानते हैं यहां।।

फैन क्लीनर स्टिक का उपयोग करें

फैन क्लीनर स्टिक एक लंबे हैंडल वाला डस्टर होता है, जिसमें एक सिरे पर कपड़ा लगा होता है। यह बाजार में आसानी से उपलब्ध है और इसकी मदद से आप बिना ऊंचाई पर चढ़े पंखे के ब्लेड्स को अच्छी तरह से साफ कर सकते हैं।

घरेलू क्लीनर का इस्तेमाल करें

एक बाउल में आधा कप तेल और नमक का मिश्रण बनाएं। इस मिश्रण को एक बाल्टी पानी में मिला लें और फैन क्लीनर स्टिक को इसमें भिगो दें। फिर इस स्टिक से पंखे के ब्लेड को साफ करें और बाद में साफ पानी से पोंछ दें। इससे आपका पंखा बिलकुल साफ हो जाएगा।

वैक्यूम क्लीनर का उपयोग

वैक्यूम क्लीनर भी पंखे की सफाई में मदद कर सकता है। वैक्यूम का हैंडल पकड़ें और इसे पंखे के नीचे लेकर जाएं। धूल और गंदगी वैक्यूम में चली जाएगी और आपका पंखा साफ हो जाएगा।

डस्टर का उपयोग करें

लंबे हैंडल वाला डस्टर आपके पंखे की पंखुड़ियों तक आसानी से पहुंच सकता है। डस्टर को पंखे की पंखुड़ियों पर फिराएं ताकि सारी धूल हट जाए।

माइक्रोफाइबर क्लॉथ का इस्तेमाल करें

डस्टिंग के बाद, माइक्रोफाइबर क्लॉथ को सफाई के स्प्रे से गीला करें और पंखुड़ियों को अच्छी तरह से पोंछें। यह कपड़ा धूल के कणों को अच्छी तरह से पकड़ लेगा और आपके पंखे को चमका देगा।

शरीर के अंदर भी होती है एक घड़ी!

क्या आप जानते हैं कि हम सभी के बॉडी में एक इंटरनल क्लॉक होता है, जो समय पर खाना पचाता है, पोषक तत्वों को अवशोषित करता है, सोने-जागने का समय निश्चित करता है और बहुत कुछ जो हमारा शरीर करता है उसे कंट्रोल करता है। अगर यह खराब हो जाए या इसमें कोई गड़बड़ी आ जाए तो हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं सर्कैडियन रिदम की। जिसे शरीर की आंतरिक घड़ी कहते हैं। कई रिसर्च में पाया गया है कि सर्कैडियन रिदम में खराबी से मूड और मस्तिष्क से जुड़े डिसऑर्डर का जोखिम हो सकता है। आइए जानते हैं क्या है सर्कैडियन रिदम और इससे कौन-कौन सी समस्याएं हो सकती हैं।।।

सर्कैडियन रिदम क्या है

सर्कैडियन रिदम जागने के समय, शरीर के तापमान, मेटाबॉलिज्म, पाचन और भूख को कंट्रोल करने के लिए जरूरी होता है। यह ब्रेन में 24 घंटे की आंतरिक घड़ी है, जिससे काफी कुछ बेहतर बनता है। यह वातावरण में परिवर्तनों से भी अलर्ट करती रहती है। जब तक बाहर धूप रहती है बॉडी एक्टिव रहती है और रात होने पर दिमाग को मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन करने का संकेत भेजती है, जिससे नींद आती है।

अगर यह घड़ी खराब हो जाए तो कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं।

सर्कैडियन रिदम खराब हो जाए तो क्या होगा

अगर सर्कैडियन रिदम अनियमित है तो सोने और ठीक से काम करने की क्षमता प्रभावित होती है। जिसका असर हेल्थ पर पड़ सकता है और कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं। इसमें डिप्रेशन, टेंशन,बाइपोलर डिसऑर्डर और कई इमोशनल, मूड डिसऑर्डर भी शामिल है। अध्ययन में पता चला है कि रात में ज्यादा एक्टिव रहने वालों में मानसिक समस्याएं ज्यादा हो सकती हैं। इससे डिप्रेशन और स्ट्रेस डिसऑर्डर से जुड़े खतरे भी बढ़ सकते हैं।

सर्कैडियन रिदम का हेल्थ पर असर

ब्लड प्रेशर सर्कैडियन रिदम के हिसाब से ही काम करता है। इसी वजह से सुबह जब हम उठते हैं तब यह बढ़ा हुआ रहता है और रात में सोते समय कम हो जाता है। स्टडी में पाया गया है कि सर्कैडियन रिदम का असर मेटाबॉलिज्म पर भी हो सकता है। इस वजह से वजन बढ़ना, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशन जैसी समस्याओं का खतरा ज्यादा रहता है।

सर्कैडियन रिदम को ठीक रखने का तरीका :सोने का सही शेड्यूल बनाएं। हर रात एक ही वक्त पर सोएं। सोते समय कमरा अंधेरा और शांत हो। एक्सरसाइज, वर्कआउट करें। कैफीन-शराब के ज्यादा सेवन से बचें।

चक्कर आने के अनेक कारण हो सकते हैं

चक्कर आना एक आम समस्या है जिसमें कमजोरी महसूस होती है और बेहोशी लगती है। इसके आने के कई कारण होते हैं। कई बार शरीर में हारमोनल प्रॉब्लम की वजह से चक्कर आने लगते हैं और कई बार रक्तचाप के संतुलित न रहने के कारण ऐसा होता है।

चक्कर आने के दौरान, व्यक्ति को कम सुनाई देता है, उसे धुंधला दिखाई देता है और बात करने में तकलीफ होती है, साथ ही आलस्य भी आता है। चक्कर आने की वजह से वर्टिगो भी हो सकता है जिसमें व्यक्ति को हमेशा ऐसा महसूस होता है कि वह चक्कर खाकर गिर जाएगा। अधेड़ उम्र की महिलाओं में ये समस्या अक्सर देखने को मिलती है। कई व्यक्ति अपना संतुलन भी खो देता है और गिर जाता है। रक्तचाप में अचानक से बदलाव आने से ऐसा होता है। इसके लिए व्यक्ति को अपना ध्यान रखना चाहिए, उसे समय पर भोजन करना चाहिए और कभी भी भोजन को स्किप नहीं करना चाहिए। एंटीबायोटिक के सेवन के दौरान भी चक्कर आ सकता है। इसलिए, डॉक्टर की सलाह पर ही दवाओं का सेवन करें। एनिमिया होने की स्थिति में चक्कर आना सामान्य है क्योंकि शरीर में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है। अगर किसी के शरीर में पानी की कमी है तो उस अवस्था में भी चक्कर आ सकता है। ऐसे में अपने साथ हमेशा एक बोतल पानी रखें और समय-समय पर पीते रहें। धड़कन सही न होने पर शरीर से ब्रेन को रक्त उचित मात्रा में नहीं पहुँच पाता है, कई बार इस कारण से भी चक्कर आने लगते हैं। बहुत बार, इस कारण से मृत्यु तक हो जाती है। दिल स्वस्थ न होने पर भी चक्कर आता है।

शब्द सामर्थ्य -215

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

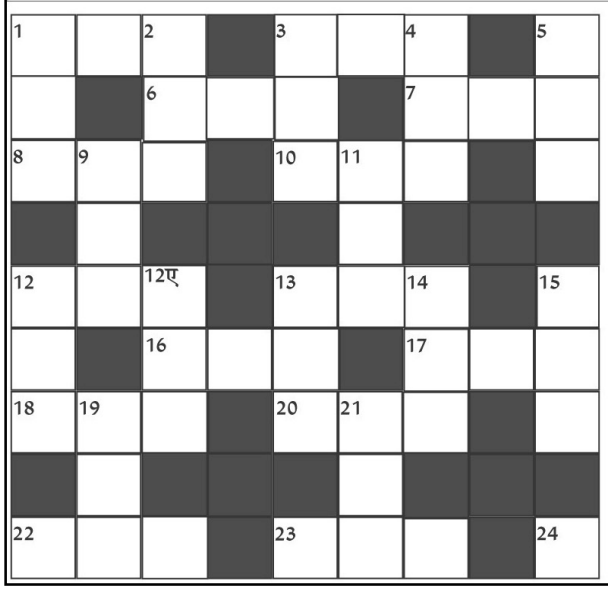

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 214 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

हेमा मालिनी की खूबसूरती से नजरें नहीं हटा पाई थीं पूनम ढिल्लों, धर्मेंद्र को लेकर भी सुनाया मजेदार किस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों ने हिंदी सिनेमा के दिग्गज सितारों हेमा मालिनी और धर्मेंद्र से जुड़ी कई यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब उन्हें फिल्मों और बड़े सितारों की दुनिया की बिल्कुल भी समझ नहीं थी। लेकिन, जैसे-जैसे उन्होंने काम किया, वैसे-वैसे उन्हें इन कलाकारों की असली शख्सियत को करीब से जानने का मौका मिला।

पूनम ढिल्लों ने कहा, मेरी पहली फिल्म त्रिशूल का पहला शॉट महानायक अमिताभ बच्चन के साथ था, लेकिन जब मैंने पहली बार हेमा मालिनी के साथ काम किया, तो मैं उनकी खूबसूरती देखकर हैरान रह गई थी। मैं उनके चेहरे से अपनी नजर नहीं हटा पा रही थी। उनकी आंखें, उनके होंठ और उनकी पूरी पर्सनैलिटी काफी आकर्षक थी। आज भी हेमा मालिनी उतनी ही खूबसूरत लगती हैं। पूनम ने कहा, आज भी अगर कोई लड़की अभिनेत्री बनने का सपना देखती है, तो वह कहीं न कहीं हेमा मालिनी जैसी बनने की इच्छा जरूर रखती है। मैंने हेमा मालिनी के साथ फिल्म दर्द में काम किया था, जिसमें राजेश खन्ना डबल रोल में नजर आए थे। इसके अलावा, एक चादर मैली सी जैसी फिल्मों में भी उनके साथ स्क्रीन साझा की। फिल्मों के अलावा भी हमारी मुलाकातें होती रहती थीं और हेमा मालिनी हमेशा बेहद प्यार और अपनापन देती थीं।

बातचीत के दौरान पूनम ढिल्लों ने धर्मेंद्र से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, मैंने धर्मेंद्र के साथ छह-सात फिल्मों में काम किया, हालांकि रोमांटिक लीड के तौर पर मैं कभी उनके साथ नजर नहीं आई। हम एक फिल्म की शूटिंग ऊंटी में कर रहे थे और वहां अभिनेत्री स्मिता पाटिल भी मौजूद थीं। सेट पर सभी लोग धर्मेंद्र को प्यार से धर्म पाजी कहकर बुलाते थे। यह देखकर मैं और स्मिता भी उन्हें पाजी कहने लगे।

पूनम ढिल्लों ने आगे बताया, हमसे पाजी सुनने के बाद एक दिन धर्मेंद्र ने मजाक में कहा, इन कुड़ियों को बोलो मुझे पाजी न कहा करें। धर्मेंद्र के साथ एक बेहद खास और अपनापन भरा रिश्ता महसूस होता था। जब भी वह मिलते थे, हमेशा खुशी से मिलते थे। मैंने हेमा-धर्मेंद्र जी के अलावा, सनी देओल के साथ भी कई फिल्मों में काम किया है।

इंटरव्यू के दौरान पूनम ढिल्लों ने फिल्म इंडस्ट्री में बदलते दौर और बढ़ती प्रतिस्पर्धा पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, आज काम कम नहीं हुआ है, बल्कि पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। अब फिल्में बन रही हैं, टेलीविजन पर भी काम हो रहा है और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी लगातार नया कंटेंट आ रहा है। लेकिन इसके साथ एक चीज और हुई है- एक्टर्स की संख्या भी बहुत ज्यादा बढ़ गई है। पहले एक दौर था जब ज्यादातर मुंबई बेस्ड लोग ही फिल्मों में काम करने आते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने पूरी दुनिया को जोड़ दिया है। इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोग सीधे फिल्ममेकर्स तक पहुंच पा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, आज कोई भी टैलेंटेड इंसान, चाहे वह उत्तर प्रदेश में बैठा हो, बिहार में हो या पंजाब में, अपनी रील्स और वीडियोज के जरिए फिल्ममेकर्स तक पहुंच सकता है। फिल्ममेकर्स भी अलग-अलग जगहों के टैलेंट को देख पा रहे हैं। वे कहते हैं कि अरे, ये एक्टर कितना अच्छा है, इसकी रील देखी क्या?, ये कितना अच्छा डांसर है इसलिए अब इंडस्ट्री में पहले से कहीं ज्यादा नए लोग आ रहे हैं। मुझे लगता है कि इसी वजह से पुराने कलाकारों को कभी-कभी महसूस होता है कि उनके पास काम कम हो गया है। लेकिन असल में ऐसा नहीं है। काम तो बढ़ा है, बस अब विकल्प ज्यादा हो गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इंडस्ट्री में कलाकारों और टेक्नीशियंस दोनों के लिए मौके हैं, लेकिन किसी भी तरह के विवाद का नुकसान छोटे लोगों को नहीं होना चाहिए। प्रोड्यूसर्स और टेक्नीशियंस के बीच अगर कोई टकराव होता है, तो सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को होती है जो रोज काम करके अपना घर चलाते हैं। इसलिए इंडस्ट्री में हर समस्या का हल बातचीत और समझदारी से निकलना चाहिए।

मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी ?

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की फिल्म पेड्डी पिछले दिनों सिनेमाघरों में रिलीज हो हुई। हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई।

जाह्नवी कपूर ने एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म देवरा- पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।

साल 2018 में फिल्म धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर गुंजन सक्सेना', मिली' और देवरा- पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।

पेड्डी एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट पेड्डी की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में हैं। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं।

गोवा की वादियों में केएल राहुल संग चिल करते दिखे अहान शेट्टी

अभिनेता अहान शेट्टी हाल ही में काम से ब्रेक लेकर गोवा की खूबसूरत वादियों में समय बिताने गए थे। पिछले दिनों उन्होंने इस ट्रिप की कुछ बेहद खूबसूरत झलकियां शेयर की। अभिनेता अहान शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उनके साथ भारतीय क्रिकेटर और उनके जीजा के.एल. राहुल भी नजर आ रहे हैं।

तस्वीरों में दोनों को गोवा के घने और हरे-भरे जंगलों के बीच सुकून के पल बिताते हुए देखा जा सकता है। दोनों प्रकृति के खूबसूरत नजारों का आनंद लेते हुए आपस में कुछ खास बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान अहान और के.एल. राहुल दोनों ही काफी कूल और कैजुअल लुक में दिखाई दे रहे हैं। तस्वीरों को पोस्ट करते हुए अहान ने लिखा, गोवा की खूबसूरत वादियों में एक यादगार दिन। अहान की पोस्ट फैंस और करीबियों को काफी पसंद आ रही है। बहन अथिया ने कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया भी दी।

अभिनेता सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी और क्रिकेटर के.एल. राहुल अक्सर एक-दूसरे के साथ बेहतरीन वक्त बिताते हुए नजर आते हैं।

अहान शेट्टी बॉलीवुड के उभरते सितारे हैं। उन्होंने फिल्म तड़प से बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें उनके अपोजिट तारा सुतारिया थीं। यह सुपरहिट तेलुगु फिल्म आरएक्स 100 का रीमेक थी। इस फिल्म के लिए उन्हें स्टार डेब्यू ऑफ द ईयर का आईफा पुरस्कार भी मिला था।

तड़प के बाद कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े कारणों के कारण वह लगभग चार साल तक बड़े पर्दे से दूर रहे। इसके बाद उन्होंने वॉर-ड्रामा फिल्म बॉर्डर 2 में लेफ्टिनेंट कमांडर महेंद्र सिंह रावत का किरदार निभाया है, जो भारतीय नौसेना के एक जांबाज अधिकारी हैं। सोशल मीडिया पर जैसे ही अहान का नेवी यूनिफॉर्म लुक सामने आया था। एक्शन से भरपूर देशभक्ति वाले किरदार में उन्हें काफी पसंद किया गया।

अहान को लेकर दर्शकों में इतनी दीवानगी थी कि सोशल मीडिया पर वायरल हुई रील्स पर फैंस ने यह तक कह दिया कि वे अपनी सैलरी से अपने परिवार को फिल्म दिखाने ले जाएंगी। खुद अहान ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए फैंस और उनके परिवार के लिए टिकट का प्रबंध करने की पेशकश की, जो एक इंटरनेट ट्रेंड बन गया।

आईटीआई छात्रावास का कार्य पांच माह बाद भी नहीं हुआ पूरा

नई टिहरी(आरएनएस)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) नई टिहरी के छात्रावास का मरम्मत कार्य पांच माह भी पूरा नहीं हो पाया है। छात्रावास के दो ब्लॉकों बने में कमरों की हालत जर्जर होने से आईटीआई की पढ़ाई कर रहे छात्राओं को निजी घरों में किराया देकर रहना पड़ रहा है। जिला मुख्यालय स्थित आईटीआई में तकनीकी शिक्षा ले रहे छात्राओं के लिए परिसर के भीतर ही तीन मंजिला छात्रावास के दो ब्लॉक में बने हैं। छात्रावास के दोनों ब्लॉकों के भवनों की मरम्मत के लिए गत छह माह पूर्व 18 लाख की स्वीकृति मिली थी जिससे छात्रावास में मरम्मत का कार्य होना था। संस्थान की ओर से छात्रों के लिए छात्रावास न्यूनतम किराया पर उपलब्ध करवाया जाता है। छात्रावास के कमरों और शौचालय की स्थिति जर्जर होने से गत पांच सालों से छात्रावास बंद पड़ा है। सुविधा नहीं होने से आर्थिक रूप से कमजोर और दूर-दराज क्षेत्रों के छात्र आईटीआई में प्रवेश नहीं ले पाते हैं। संस्थान में तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई कर रहे छात्र प्रियांशु, मिलन सिंह, अंकित कुमार ने बताया कि छात्रावास की सुविधा नहीं होने के कारण उन्होंने निजी घरों में कमरा किराये पर ले रखे हैं जबकि कई छात्र अपने रिश्तेदारों के यहां रहते हैं। नगर क्षेत्र में निजी भवनों का किराया अधिक है। संस्थान में छात्रावास की सुविधा होती तो छात्रों को बाहर रहने की जरूरत नहीं पड़ती। बताया कि छात्रावास की सुविधा नहीं होने से संस्थान में संचालित कई ट्रेडों में सीटें खाली रह जाती है।

मेडिकल कॉलेज में एमडी, एमएस और डिप्लोमा की सीटें बढ़ीं

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। राजकीय मेडिकल कॉलेज विशेषज्ञ चिकित्सा शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। वर्ष 2021 में शुरू हुए स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों के विस्तार के साथ अब मेडिकल कॉलेज में एमडी, एमएस और डिप्लोमा की कुल सीटें बढ़कर 64 हो गई हैं। कॉलेज प्रशासन ने आगामी वर्षों में इन सीटों की संख्या 100 तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। मेडिकल कॉलेज में पीजी पाठ्यक्रम शुरू होने के बाद से अब तक विभिन्न विभागों से 100 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक तैयार हो चुके हैं। इनमें अधिकांश चिकित्सक प्रदेश के जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य चिकित्सा संस्थानों में सेवाएं दे रहे हैं। पिछले एक वर्ष के दौरान एनेस्थीसियोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, स्त्री एवं प्रसूति रोग तथा टीबी एवं चेस्ट रोग विभाग में कुल 12 नई सीटों की वृद्धि हुई है। वर्तमान में कॉलेज में विभिन्न एमडी, एमएस और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं जिससे प्रदेश के छात्र-छात्राओं को राज्य के भीतर ही उच्च चिकित्सा शिक्षा का अवसर मिल रहा है।

सू- दोकू क्र.215

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.214 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

कुंभ मेला-2027 की तैयारियों में तेजी, अपर मेलाधिकारी ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

हरिद्वार(आरएनएस)। आगामी कुंभ मेले को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुंभ नगरी में बड़े पैमाने पर अवस्थापना सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। कुंभ मेले के लिए स्वीकृत निर्माण कार्य चरणबद्ध रूप से पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं। मेला क्षेत्र में सड़क, पुल, पार्किंग एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए मेला प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है।

इसी क्रम में अपर मेलाधिकारी श्री दयानंद सरस्वती ने बैरागीवाला एवं श्रीयंत्र क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर कुंभ मेला मद से संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण की जाएं, ताकि कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

निरीक्षण के दौरान अपर मेलाधिकारी ने दक्षद्वीप क्षेत्र में वन विभाग के माध्यम से परियोजना क्रियान्वयन इकाई, सिंचाई विभाग द्वारा निर्मित कराई जा रही इंटरलॉकिंग सड़क का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें अवगत कराया कि परियोजना का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इस पर उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं की सराहना की तथा शेष कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

कुंभ मेला मद से बैरागी कैंप से श्रीयंत्र मंदिर को जोड़ने वाले मार्ग पर दक्षद्वीप के वन क्षेत्रांतर्गत लगभग 650 मीटर लंबाई में कच्ची सड़क का सुधार कर इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। कुंभ मेले के दौरान यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा। इस क्षेत्र में विभिन्न अखाड़ों एवं धार्मिक संस्थाओं के शिविर स्थापित किए जाएंगे, वहीं पार्किंग स्थलों और वैकल्पिक यातायात मार्गों के संचालन में भी यह सड़क महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा कनखल क्षेत्र तक सुगम आवागमन सुनिश्चित करने में भी यह मार्ग सहायक सिद्ध होगा।

इस परियोजना के लिए शासन द्वारा 46.47 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। मौके पर उपस्थित सिंचाई विभाग के अभियंताओं ने बताया कि सड़क निर्माण का शेष कार्य आगामी दस दिनों के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा।

इसके उपरांत अपर मेलाधिकारी ने दक्षद्वीप एवं बैरागी कैंप को जोड़ने के लिए मायापुर स्केप चैनल पर निर्माणाधीन 60 मीटर स्पान के बो-स्ट्रिंग स्टील गर्डर पुल का भी निरीक्षण किया। पूर्व से निर्मित पुल के समानांतर बनाए जा रहे इस पुल के निर्माण से कुंभ मेले के दौरान बढ़ने वाले यातायात दबाव को कम करने में सहायता मिलेगी तथा श्रद्धालुओं के आवागमन को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाया जा सकेगा।

निरीक्षण के दौरान अपर मेलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था एवं अनुबंधित फर्म के प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए सभी आवश्यक संसाधनों एवं मानवबल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों की जवाबदेही तय करते हुए शासन को आवश्यक कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा।

इस दौरान मेला अधिष्ठान की तकनीकी सेल के अधिशासी अभियंता श्री अनुभव नौटियाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कार्य में जुटे कर्मचारी

बागेश्वर(आरएनएस)। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तीव्र गति से संचालित किया जा रहा है। निर्वाचन विभाग द्वारा मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से पुनरीक्षण के साथ-साथ डिजिटाइजेशन कार्य भी युद्धस्तर पर किया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण में सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को प्रशिक्षित किया गया, जिसके बाद घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संग्रहण का कार्य प्रारंभ किया गया।

हिमालय और गंगा संकट में, वनाधिकार बहाल हों : उपाध्याय

उत्तरकाशी(आरएनएस)। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि आज जल, जंगल और जमीन को बचाना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने इस पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन्हीं मुद्दों को लेकर तिलाड़ी आंदोलन हुआ था जिसमें अनेक आंदोलनकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों के निवासियों के वनाधिकार बहाल किए जाने चाहिए। उत्तरकाशी को आरक्षण की श्रेणी में शामिल किया गया है लेकिन सरकार को पूरे पर्वतीय क्षेत्र को भी आरक्षण के दायरे में लाने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वह 'हिमालय बचाओ, गंगा बचाओ' अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को सरकार की ओर से निशुल्क रसोई गैस उपलब्ध कराई जानी चाहिए। वैज्ञानिकों के हवाले से उन्होंने कहा कि यदि वर्तमान परिस्थितियां बनी रहीं तो वर्ष 2050 तक हिमालय में बर्फ का अस्तित्व समाप्त होने और गंगा में जल प्रवाह प्रभावित होने का खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि माउंट एवरेस्ट पर बर्फ का घनत्व लगातार घट रहा है और हर सात वर्ष में लगभग 150 मीटर तक कमी दर्ज की जा रही है। वार्ता में राजेंद्र गंगाड़ी, लोकेंद्र सिंह बिष्ट, अवधेश भट्ट, नवीन पैन्यूली आदि मौजूद रहे।

हरिद्वार रूट के लिए बसों की मारामारी

ऋषिकेश(आरएनएस)। हरिद्वार और मैदानी रूट के लिए ऋषिकेश में अचानक यात्रियों की दबाव बढ़ गया है, जिससे स्थानीय रोडवेज डिपो की बसें भी यात्रियों के लिए कम पड़ रही है। राज्य के अन्य डिपो व यूपी रोडवेज की बसें भी यात्रियों के लिए पर्याप्त नहीं हो पा रही हैं। बसों के टोटे की वजह से यात्रियों को दुश्वारियां पेश आ रही हैं। उन्हें भीषण गर्मी में एक-एक घंटे तक बसों का इंतजार करना पड़ रहा है। बस अड्डे कई दफा यात्रियों के बीच सीट के लिए मारामारी जैसे हालात दिख रहे हैं। अचानक रोडवेज बस अड्डे पर हरिद्वार रूट की यात्रियों की संख्या में बढ़ गई। औसतन एक दिन में 500 यात्रियों की जगह दो हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ अड्डे पर पहुंचने की वजह से निगम की बसें कम पड़ गई। अन्य डिपो और यूपी रोडवेज की बस पहुंचने के बाद इनमें भी सवार होने के लिए यात्रियों में मारामारी जैसी स्थिति नजर आई।

बसों की कमी का यह सिलसिला सुबह से लेकर शाम तक जारी रहा। बसों की कमी की वजह से हरिद्वार और विभिन्न मैदानी शहरों में यात्रियों भीषण गर्मी में बसों का इंतजार करते हुए पसीना-पसीना दिखे। बस अड्डे पर यात्रियों के सुकून से बैठने के लिए भी पर्याप्त जगह नहीं होने से उनकी दिक्कतें और बढ़ी। अड्डा परिसर में भीषण गर्मी में सिर छिपाने के लिए एक अदद छांवदार पेड़ भी नहीं होने से यात्रियों को फजीहत झेलनी पड़ी। ऋषिकेश अड्डे से हरिद्वार होते हुए नीचले इलाकों के लिए स्थानीय डिपो की 57 बस सेवाएं हैं। यूपी रोडवेज की 70, रुड़की की 10 और हरिद्वार की 20 बसों के फेरे भी होते हैं। बसों की कमी से हरिद्वार, मुजफ्फनगर, बिजनौर, दिल्ली व अन्य इलाकों को जाने के लिए यात्रियों को बसें नहीं मिलने से उनकी दिक्कतें बढ़ रही। ऋषिकेश डिपो के पास खुद की 59 और अनुबंधित 40 बसें हैं। 99 बसों के बेड़े में से फिलहाल बदरी और केदारनाथ धाम के लिए डिपो की दस बसों को लगाया गया है। यह बसें भी हरिद्वार रूट पर ही दौड़ती हैं, मगर यात्रा रूट पर चलने की वजह से हरिद्वार रूट पर बसों की कमी को भी डिपो प्रशासन इससे भर नहीं पा रहा है।

फिलहाल हरिद्वार रूट पर संचालित डिपो की बसें के अलावा अन्य जिलों व राज्य की बस सेवाओं से ही यात्रियों को राहत देने का प्रयास किया जा रहा है। चौक-चौराहों पर भी जूझे यात्रीहरिद्वार और अगले इलाकों में जाने के लिए नगर के चौक-चौराहों और बस स्टॉपेज पर भी यात्रियों की भीड़ दिखी। टेंपों और अन्य सवारी वाहन भी यात्रियों से पैक होकर निकले। यहां भी यात्रियों को बसों के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। कोयलघाटी, आईडीपीएल सिटी गेट, श्यामपुर और रायवाला में सवारी वाहन के पहुंचते ही उसमें सवार होने के लिए यात्रियों में आपाधापी जैसी स्थिति बनी नजर आई।

प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप-2026 में एसजीआरआर ने जीता स्वर्ण व कांस्य

संवाददाता

देहरादून। प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप-2026, अहमदाबाद में भारत की शानदार सफलता के पीछे उत्तराखण्ड के एसजीआरआर विश्वविद्यालय के युवा योगासन खिलाड़ी सुमीर ज्ञवाली का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

योग की धरती भारत ने एक बार फिर विश्व मंच पर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप-2026, अहमदाबाद में भारत की शानदार सफलता के पीछे उत्तराखण्ड के श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के युवा योगासन खिलाड़ी सुमीर ज्ञवाली का महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय, देहरादून के प्रतिभाशाली छात्र सुमीर ज्ञवाली ने भारतीय योगासन टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए एक स्वर्ण पदक और एक कांस्य पदक जीतकर देश, प्रदेश और श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के माननीय प्रेसीडेंट श्रीमहंत देवेन्द्र दास महाराज ने सुमीर ज्ञवाली को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवम् शुभकामनाएं दी हैं। पारंपरिक समूह प्रतियोगिता में भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाकर उन्होंने विश्व मंच पर भारत का तिरंगा शान से लहराया।

वहीं सीनियर-बी पुरुष वर्ग के ट्रेडिशनल योगासन इवेंट में सुमीर ने शानदार संतुलन, लचीलापन और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। विशेष बात यह रही कि विश्व चैंपियनशिप के लिए चयनित भारतीय दल में उत्तराखण्ड से सुमीर ज्ञवाली एकमात्र खिलाड़ी थे। वर्तमान में वे श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ योगिक साइंस एंड नेचुरोपैथी में एम.एससी. योगिक साइंस एंड अल्टरनेटिव थेरेपीज के छात्र हैं। सुमीर की यह उपलब्धि केवल पदकों की कहानी नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और निरंतर साधना का प्रेरक उदाहरण है।

श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए उत्कृष्ट प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन ने उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योग केवल शरीर को नहीं, बल्कि मन, विचार और व्यक्तित्व को भी विजेता बनाता है। नियमित योगाभ्यास ही स्वस्थ, संतुलित और सफल जीवन का आधार है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) के. प्रतापन सहित समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने सुमीर ज्ञवाली को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

धामी का 'जीरो टालरेंस' एक्शन या..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

इस कार्रवाई ने संकेत दिया है कि सरकारी पद अब केवल अधिकार नहीं बल्कि उत्तरदायित्व भी है। यदि आने वाले समय में अन्य विभागों में भी इसी तरह निष्पक्ष कार्रवाई होती है तो इससे प्रशासनिक अनुशासन मजबूत हो सकता है।

जनता की राय इस मुद्दे पर दो हिस्सों में बंटी दिखाई देती है। एक वर्ग का मानना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जितनी भी सख्ती हो, उसका स्वागत किया जाना चाहिए। लोगों का कहना है कि यदि अधिकारी और कर्मचारी जवाबदेह होंगे तो सरकारी व्यवस्था में सुधार आएगा और जनता का विश्वास बढ़ेगा। दूसरा वर्ग यह मानता है कि केवल निलंबन या विभागीय कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। यदि जांच समयब(पूरी नहीं हुई, दोषियों को कानूनी सजा नहीं मिली और सरकारी नुकसान की भरपाई नहीं हुई, तो ऐसी कार्रवाई का असर सीमित रह जाएगा। जनता अब परिणाम देखना चाहती है, केवल घोषणाएं नहीं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विधानसभा चुनाव 2027 में भ्रष्टाचार, सुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही बड़े चुनावी मुद्दे बन सकते हैं। भाजपा इस कार्रवाई को अपनी ईमानदार और निर्णायक सरकार की पहचान के रूप में प्रचारित करेगी। दूसरी ओर विपक्ष यह साबित करने की कोशिश करेगा कि सरकार की सख्ती केवल चुनावी वर्ष तक सीमित है। युवा मतदाता, मध्यम वर्ग और सरकारी सेवाओं से जुड़े लोग इस मुद्दे को गंभीरता से देख रहे हैं। यही वर्ग चुनावी परिणामों को भी काफी हद तक प्रभावित करता है।

हरिद्वार नगर निगम भूमि प्रकरण में धामी सरकार की कार्रवाई ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भ्रष्टाचार के मुद्दे को सरकार अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक और प्रशासनिक ताकत के रूप में पेश करना चाहती है। लेकिन चुनावी राजनीति में केवल कार्रवाई की शुरुआत नहीं, उसका तार्किक और निष्पक्ष निष्कर्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। यदि सरकार आने वाले समय में बिना किसी भेदभाव के सभी मामलों में समान कठोरता दिखाती है, तो जीरो टालरेंस की नीति एक मजबूत राजनीतिक पूंजी बन सकती है। लेकिन यदि कार्रवाई चुनिंदा मामलों तक सीमित रह गई, तो विपक्ष इसे चुनावी प्रबंधन करार देने में देर नहीं लगाएगा।

कुख्यात हिस्ट्रीशीटर के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

❑50 लाख रुपये से अधिक मूल्य की सरकारी भूमि कराई गई मुक्त

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। कुख्यात हिस्ट्रीशीटर तारा सिंह के अवैध निर्माण पर आज पुलिस व प्रशासन की टीमों ने बुल्डोजर चलवा दिया है। हिस्ट्रीशीटर तारा सिंह इन दिनों जेल में बंद है जिस पर हत्या, लूट, अपहरण, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट व एनडीपीएस एक्ट सहित करीब 27 मुकदमें दर्ज है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली नानकमत्ता पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त अपराधियों की संपत्तियों का चिन्हीकरण किया गया। जांच के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि कोतवाली नानकमत्ता के हिस्ट्रीशीटर/गैंगस्टर अपराधी तारा सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह निवासी डैम बंदा गिधौर तथा उसके परिवारजनों द्वारा नानकसागर बांध स्थित सिंचाई विभाग की सरकारी भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर पक्का निर्माण किया गया था। उक्त स्थान का प्रयोग लंबे समय से अवैध स्मैक, हेरोइन एवं अन्य मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी से संबंधित गतिविधियों के लिए किया जा रहा था।

सिंचाई विभाग तथा कोतवाली नानकमत्ता पुलिस द्वारा उक्त अवैध अतिक्रमण का चिन्हीकरण कर नियमानुसार रिपोर्ट सिंचाई विभाग को

डकैती, अपहरण, हत्या के प्रयास सहित 27 मुकदमों में है नामजद

प्रेषित की गई। सिंचाई विभाग द्वारा संबंधित व्यक्तियों को नोटिस तामील कराते हुए भूमि खाली करने हेतु निर्देशित किया गया। नियमानुसार प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत सिंचाई विभाग द्वारा रिपोर्ट उपजिलाधिकारी खटीमा को प्रेषित की गई, जिसके क्रम में आज अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

आज तहसील प्रशासन, सिंचाई विभाग बरेली, पुलिस बल, पीएसी एवं फायर सर्विस की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था के मध्य बुलडोजर की सहायता से अवैध रूप से निर्मित पक्के मकान को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान एक अवैध धार्मिक संरचना (मजार) को भी हटाया गया। संयुक्त अभियान के दौरान अपराधियों के कब्जे से लगभग 2 एकड़ सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई गई, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 50 लाख रुपये से अधिक है।

नीट (यूजी) परीक्षा के सकुशल संपादन के लिए पुलिस मुस्तैद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के निर्देशित क्रम में आज प्रातः पुलिस लाइन रोशनाबाद हरिद्वार स्थित बहुद्देशिय हॉल में एसपी क्राइम निशा यादव (नोडल अधिकारी) की अध्यक्षता में कल आयोजित होने वाले एनईईटी (यूजी)-2026 परीक्षा में ड्यूटी नियुक्त फोर्स को ब्रीफ किया गया।

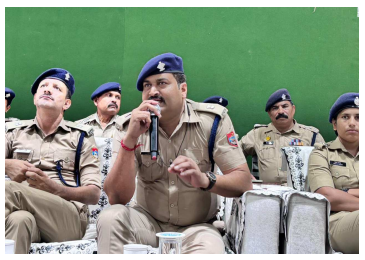

ब्रीफिंग के दौरान उपस्थित पुलिस ऑफिसर्स ने नियुक्त फोर्स को चैकिंग के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने, संदिग्धों पर नजर रखने एवं परीक्षा केन्द्र के नजदीक किसी भी अवांछित तत्व के नजर आने पर तत्काल उच्चाधिकारी को इस बारे में जानकारी देने के निर्देश दिए गए। साथी ही ये भी बताया कि लगायी गई ड्यूटी के मुताबिक सभी जवान मेंटल डिटेक्टर सहित अन्य उपकरण समय से प्राप्त कर लें और ड्यूटी के निर्धारित समय से पहले अपने ड्यूटी प्वाइंट पर पहुंचे ताकी समय रहते परीक्षा स्थल का जायजा ले लिया जाए और जरुरी व्यवस्थाएं पूरी की जाएं।

जनपद में उक्त परीक्षा के लिए हरिद्वार के देहात क्षेत्र व नगर क्षेत्र से कुल 12 केन्द्र चयनित किए गए हैं जिनमें अन्य विभागों में नियुक्त कर्मियों के साथ ही पुलिस विभाग से पर्याप्त संख्या में पुरुष/महिला पुलिस कर्मियों को ड्यूटी पर नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त परीक्षा केन्द्रों से संबंधित थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्र में अवस्थित परीक्षा केन्द्रों के आसपास भ्रमण कर आपराधिक तत्वों की निगरानी करेंगे। सभी सेक्टरों का पर्यवेक्षण क्षेत्राधिकारी बनाए गए जोनल प्रभारी द्वारा लगातार किया जाएगा।

जोशी ने की एसआईआर कार्य में तेजी लाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

संवाददाता

देहरादून। काबीना मंत्री गणेश जोशी ने बैठक में कार्यकर्ताओं को एस.आई.आर. अभियान की प्रक्रिया, उद्देश्य एवं महत्व की जानकारी देते हुए मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के राजपुर वार्ड में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के संबंध में विस्तृत चर्चा की और बीएलए-2 को सभी मतदाताओं के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के लिए कहा। काबीना मंत्री ने बैठक में कार्यकर्ताओं को एस.आई.आर. अभियान की प्रक्रिया, उद्देश्य एवं महत्व की जानकारी देते हुए मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच बनाकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंजीकरण, संशोधन एवं सत्यापन की प्रक्रिया में सहयोग करें। कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे घर-घर संपर्क कर नागरिकों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के प्रति जागरूक करें तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटने न पाए। बैठक में राज्यमंत्री ज्योति कोटिया, अल्का कुल्हान, समीर पुंडीर, मोहित अग्रवाल, देवेन्द्र रावत सहित वार्ड के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा के लिए 'खतरे की घंटी'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विधानसभा चुनाव 2027 से पहले उत्तराखंड की राजनीति में ऐसे संकेत दिखाई देने लगे हैं, जो भाजपा के लिए चिंता का कारण बन सकते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को उनके गृह जनपद चमोली के पोखरी क्षेत्र में विरोध का सामना करना पड़ा। कार्यक्रम के दौरान महेंद्र भट्ट मुर्दाबाद के नारे लगने की घटना ने सियासी गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। विपक्ष इसे धामी सरकार के खिलाफ बढ़ते जनाक्रोश का संकेत बता रहा है, जबकि भाजपा इसे विपक्ष द्वारा प्रायोजित विरोध करार दे रही है।

भाजपा ने 2022 के चुनाव में विकास, समान नागरिक संहिता, सख्त कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर कार्रवाई जैसे मुद्दों के सहारे दोबारा सत्ता हासिल की थी। लेकिन कार्यकाल के अंतिम चरण में रोजगार, महंगाई, पेपर लीक, पलायन, स्थानीय समस्याएं और विकास कार्यों की रफ्तार जैसे मुद्दे फिर से चर्चा में हैं। ऐसे माहौल में यदि पार्टी के शीर्ष प्रदेश नेतृत्व को अपने ही क्षेत्र में विरोध का सामना करना पड़े तो उसका राजनीतिक संदेश दूर तक जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सत्ता विरोध ी लहर हमेशा बड़े आंदोलनों से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी स्थानीय घटनाओं से

●गृह जनपद में ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का विरोध

●सत्ता के प्रति बढ़ती नाराजगी को विपक्ष ने बनाया चुनावी मुद्दा

●भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के विरोध से बढ़ी धामी सरकार की चिंता

आकार लेना शुरू करती है। जनता जब अपने प्रतिनिधियों के सामने खुलकर नाराजगी जताने लगे तो यह संकेत संगठन के लिए भी गंभीर माना जाता है।

विपक्ष ने इस घटनाक्रम को हाथों-हाथ लिया है। कांग्रेस का कहना है कि यह विरोध प्रदेशभर में बढ़ रहे जन असंतोष की शुरुआत है। पार्टी का आरोप है कि सरकार ने युवाओं, किसानों, कर्मचारियों और आम जनता से जुड़े मुद्दों पर अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई। आम आदमी पार्टी और उत्तराखंड क्रांति दल भी इसे जनता के मोहभंग का संकेत बताते हुए सरकार पर लगातार हमलावर हैं।

हालांकि भाजपा इस पूरे घटनाक्रम को स्थानीय मुद्दों से जुड़ी सामान्य लोकतांत्रिक प्रतिक्रिया बता रही है। चुनावी राजनीति में प्रतीकात्मक घटनाओं का महत्व कम नहीं होता। अपने ही गृह जनपद में प्रदेश अध्यक्ष का विरोध विपक्ष को यह कहने का अवसर देता है कि सरकार के खिलाफ असंतोष अब भाजपा के मजबूत माने जाने वाले क्षेत्रों तक पहुंचने लगा है। वहीं भाजपा के लिए यह संदेश है कि केवल सरकार की उपलब्धियां गिनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि जनता की नाराजगी को समय रहते दूर करना भी जरूरी होगा।

उत्तराखंड की राजनीति में अभी चुनावी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है, लेकिन इतना तय है कि आने वाले महीनों में रोजगार, महंगाई, पेपर लीक, स्थानीय विकास और जनसरोकारों के मुद्दे चुनावी विमर्श के केंद्र में रहेंगे। यदि भाजपा समय रहते संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल बनाकर जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में सफल नहीं होती, तो विपक्ष इन मुद्दों को चुनावी हथियार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

कार खाई में गिरी, सीआरपीएफ जवान व भाई की मौत

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। नई कार खरीदने की खुशी अचानक मातम में बदल गयी। नई कार खरीदकर पिथौरागढ़ के कनालछिना जा रहे सीआरपीएफ जवान बलदेव कुमार का पूरा परिवार भयानक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। इस हादसे में बलदेव कुमार और उनके भाई राजेंद्र कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बलदेव की पत्नी नीतू गंभीर रूप से घायल हैं। जबकि दोनों बच्चे भी चोटिल हुए हैं। जानकारी के अनुसार मरोड़ा खान और बंतोली के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई यह दुर्घटना बीती दोपहर को हुई। परिवार काठगोदाम स्थित सीआरपीएफ आवास से रवाना हुआ था। लेकिन 12 बजे करीब मरोड़ा खान और बांटोली के पास कार का एक्सीडेंट हो गया। बताया जा रहा है कि चार जून 2026 को हल्द्वानी से नई कार खरीदने के बाद पूरा परिवार बेहद उत्साहित था। बलदेव कुमार, उनकी पत्नी नीतू, जेठ राजेंद्र कुमार और दोनों बच्चे अक्षिता व आरव बीते रोज कनालीछीना जा रहे थे। कार में हंसी-खुशी का माहौल था, लेकिन मरोड़ा खान और बंतोली के बीच पहुंचते-पहुंचते नियति ने सब कुछ बदल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन तेज रफ्तार में था। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने क्रैश बैरियर के बीच बने गैप से कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बलदेव कुमार और राजेंद्र कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। नीतू गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि बच्चों को भी सिर और पैरों में चोटें आई हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। एडीएम के.एन. गोस्वामी, एसडीएम नीतू डांगर, दमकल विभाग, पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय युवाओं ने मिलकर घायलों को खाई से निकाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

●पत्नी व दो बच्चे गम्भीर रूप से घायल, उपचार जारी

●नई कार खरीदने की खुशी बदली मातम में

प्राथमिक शिक्षक भर्ती को लेकर शिक्षा मंत्री ने दिए शीघ्र कार्यवाही के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। शिक्षा मंत्री ने प्राथमिक शिक्षक भर्ती को लेकर शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिये। आज यहां सचिवालय में विद्यालय शिक्षा विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा मंत्री के साथ मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव न्याय, सचिव कार्मिक एवं सचिव वित्त सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में शिक्षा व्यवस्था को अधिक गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं छात्र हितैषी बनाने तथा विभाग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान प्राथमिक शिक्षक भर्ती को लेकर भी चर्चा हुई। शिक्षा मंत्री द्वारा प्राथमिक शिक्षा विभाग में रिक्त पदों को देखते हुए भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ करने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्यवाही जल्द पूरी की जाए। शिक्षा मंत्री के निर्देशों के बाद प्राथमिक शिक्षक भर्ती की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों में उम्मीद जगी है। विभागीय स्तर पर भर्ती प्रक्रिया को गति देने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की बात कही गई है।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने किया निर्माण कार्यो का निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज देहरादून के न्यू कैंट रोड में निर्माणाधीन नाली निर्माण कार्य एवं भविष्य में प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्यों का विभागीय अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज देहरादून के न्यू कैंट रोड में निर्माणाधीन नाली निर्माण कार्य एवं भविष्य में प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्यों का विभागीय अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण

के दौरान कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए जल निकासी व्यवस्था का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नाली निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा निर्माण की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि स्थानीय लोगों को जलभराव जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता नीरज त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

बेरोजगार डिग्रीधारी मेडिकल लैब तकनीशियनों ने किया मुख्यमंत्री आवास कूच

संवाददाता

देहरादून। बेरोजगार डिग्रीधारी मेडिकल लैब तकनीशियानों ने अपने धरने के 13वें दिन मुख्यमंत्री आवास कूच किया। जिनको पुलिस ने हाथीबडकला चौकी के बाहर बेरकैडिंग लगाकर रोक दिया। जिसके बाद जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां बेरोजगार डिग्रीधारी मेडिकल लैब तकनीशियनों अपने धरने के 13वें दिन परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने मुख्यमंत्री आवास के लिए कूच किया। वह परेड ग्राउंड से सुभाष रोड, राजपुर रोड, दिलाराम चौक होते हुए हाथीबडकला चौकी के पास पहुंचे जहां पर पुलिस ने बेरकैडिंग लगाकर उनको रोक दिया। जिसके बाद वह वहीं धरने पर बैठ गये। जिसके बाद जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उनके माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया। इस दौरान उन्होंने अपनी डिग्रियों की प्रतियां जलाकर सरकार के खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि वर्षो की कठिन तपस्या, मेहनत और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद सरकार डिग्रीधारी लैब तकनीशियनों को स्थायी रोजगार उपलब्ध कराने में विफल रही है। एक ओर सरकार सरकारी प्रयोगशालाओं के निजीकरण को बढावा दे रही है, वहीं दूसरी तरफ बीएससी, एमएलटी पाठयक्रम वर्ष 1995 से राज्य गठन से पूर्व से ही संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया

कि वर्ष 2011 तक राज्य में लगभग 15 महाविद्यालयों में यह पाठयक्रम संचालित होता था, जबकि वर्तमान में सरकार की अनुमति से 80 से अधिक महाविद्यालयों मे यह कोर्स चलाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त राज्य के चार राजकीय मेडिकल कॉलेजों में भी यह पाठयक्रम निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसके बावजूद आज तक उत्तर प्रदेश काल की नियमावली लागू है। जिसमें डिग्रीधारी लैब तकनीशियनों के लिए स्पष्ट प्रावधान नहीं किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि शीघ्र ही उनकी मांगों पर सकरात्मक कार्रवाई नहीं की गयी तो आंदोलन को और अधिक उग्र रूप दिया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। प्रदर्शन करने वालों में संगठन के अध्यक्ष आशीष खाली, मयंक राणा, अनुराग पंत, रणवीर बिष्ट, संदीप रावत, शैलेश, संदीप , लोकेन्द्र, अनूप रावत आदि लोग शामिल रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।